

Glimpses of Activities by RRC on FMD, LUVAS, Hisar



Worthy Vice Chancellor Prof. Dr. Vinod Kumar Verma and Officers of LUVAS appreciating the efforts of award winners during IAVMI Conference 2023 held at Palampur, H.P.



'Training cum demonstration on Probang sampling' for field veterinarians & LUVAS faculty on Nov. 30, 2021 at village Dhansu, Hisar in Joint collaboration of RRC, LUVAS, Hisar with ICAR-DFMD, Mukteswar



Outbreak Investigation Team, LUVAS attending FMD outbreak at village Samain, Fatehabad (2018)



Best Regional Centre Award (2010-11) to RRC on FMD, LUVAS, Hisar by ADG (AH)



Scientists of RRC on FMD being felicitated by the Vice-Chancellor, LUVAS



Proficiency Testing Certificate awarded by hon'ble DG, ICAR and VC, SVPUAT, Meerut during Annual Review Meeting (Nov. 1., 2022)



A one week "Hands-on Training on Solid Phase Competitive ELISA" at ICAR-DFMD, IVRI Campus, Bengaluru (Sept. 2019)



Best oral presentation award during IAVMI 2022 held at Hisar (May 2022) for presenting the results of FMD+HS combined vaccination trial conducted at organized farm of Haryana



Visit of Scientists from ICAR-International Centre for FMD, Bhubaneswar, Odisha during Sept. 2018



Annual Review Meeting of all the FMD centers at ICAR-International Centre on FMD, Arugul, Bhubaneswar, Odisha (Sept. 2018)



Visit of dignitaries during Kisan Mela to the stall depicting the activities undertaken by RRC, Hisar



Sample collection from village Intal Kalan, Jind adopted by RRC, Hisar for sero-monitoring under FMD-CP



Lecture delivered to participants of Vocational Training on Dairy Farming organized by LUVAS (14-20 Oct., 2022)



Dr. Habtamu from Ethiopia after completing training at RRC, Hisar with the Director of Research, LUVAS, Scientists & Staff



Training programmes on "Skill development in animal health for scheduled caste livestock farmers" in four villages of Haryana under ICAR funded SCSP scheme (March 2022)

लुवास में प्रशिक्षण समापन पर प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र वितरित किए



हिसार। लुवास के पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंहखुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा चल रहे शिविर का बुधवार को समापन हो गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. नरेश कक्कड़ ने बताया कि ग्रामीण आंचल में पशुपालन के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए वीसी लुवास, डॉ. विनोद वर्मा के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य युवा पशुपालक उद्यमियों के कौशल में सुधार लाना है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मवीर दहिया ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में पहुंचे। आज के युग में संक्रामक बीमारियों के प्रसार और उनसे बचाव के तरीके साझा किए।

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशुस्वास्थ्य में कौशल विकास पर निःशुल्क प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंहखुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशुस्वास्थ्य में कौशल विकास पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके दूसरे चरण में गांव अग्रोहा जिला हिसार के 40 अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व किसान, महिला उद्यमी, ग्रामीण युवा को प्रशिक्षण दिया गया।

विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. नरेश कक्कड़ ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य युवा पशुपालक उद्यमियों के कौशल में सुधार लाना है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मवीर दहिया ने मुख्य



अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत करते हुए टीम की निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की और ग्रामीण युवक युवतियां एवं किसानों को प्रोत्साहित करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए। अग्रोहा और आसपास के पशुपालकों के लिए अर्थात्

ट्रेनिंग में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. राजेश और डॉ. प्रवीण कुमार ने आज के युग में संक्रामक बीमारियों के प्रसार और उनसे बचाव के तरीके साझा किए। उन्होंने पशुओं में होने वाले संक्रामक रोगों जैसे मुंह-खुर रोग के निदान और उपचार का महत्व

लुवास द्वारा पशु स्वास्थ्य में कौशल विकास पर निःशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मुंह-खुर रोग अनुसंधान केंद्र एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- खुरपका मुंहपका रोग निदेशालय, मुक्तेश्वर, उत्तराखंड के सौजन्य से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशु स्वास्थ्य में कौशल विकास पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके पहले चरण में ग्राम गंगवा और किरमारा, जिला हिसार तथा गांव रामराय, जौद में 21-25 मार्च 2022 तक अनुसूचित जाति के 120 प्रतिनिधित्व किसान/महिला उद्यमी/ ग्रामीण युवा प्रशिक्षण ले रहे हैं। विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. नरेश कक्कड़ ने बताया कि ग्रामीण आंचल में पशुपालन के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए माननीय कुलपति, लुवास, डॉ. विनोद वर्मा के निर्देशन में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। गंगवा और आस पास के पशुपालकों के लिए आयोजित ट्रेनिंग में पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ. स्वाति दहिया और डॉ. अनीता दलाल ने आज के युग में संक्रामक बीमारियों के प्रसार और उनसे बचाव के तरीके साझा किये। उन्होंने पशुओं में होने वाले संक्रामक रोगों जैसे मुंह-खुर रोग



के निदान और उपचार का महत्व समझाया। ग्राम किरमारा, जिला हिसार के पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. महावीर सिंह और डॉ. संजीवना ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को धनैला, मुंह-खुर रोग, गलपोट्ट, ब्रसेल्ल, सुकर ज्वर,

चेचक, सर्रा तथा अन्य संक्रामक रोगों का निर्वण और रोकथाम की जानकारी प्रदान की जाएगी। ग्राम रामराय, जौद में डॉ. अंशुल लाटर और डॉ. अखिल कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कोर्स का उद्देश्य युवा पशुपालक उद्यमियों के कौशल में सुधार लाना है। भाग ले रहे प्रशिक्षुओं ने गाय, भैंस, बकरी, भेड़, तथा सुअरों के पालन में आ रही व्यवस्थाओं के निवारण के लिए लुवास के विभिन्न विभाग के वैज्ञानिकों से जानकारी ली। अंत में डॉ. प्रवीण कुमार एवं अन्यो ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए पशुओं में टीकाकरण के महत्व को समझाया। उन्होंने सभी किसान भाइयों, बहनों तथा पशु चिकित्सक डॉ. राजकुमार अहलावात, डॉ. पुनीत, डॉ. विकास चौधरी तथा उनके सहायकों का धन्यवाद किया जिन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही वित्तीय योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. धर्मवीर दहिया, निदेशक, विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास ने टीम की निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की। इस पाठ्यक्रम को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- खुरपका मुंहपका रोग निदेशालय, मुक्तेश्वर, उत्तराखंड द्वारा वित्त पोषित किया गया है। इस समारोह में लुवास के विभिन्न विभागों के शिक्षक, ग्रामीण युवक, युवतियां एवं पशुपालक भी उपस्थित रहे। प्रथम चरण के कार्यक्रमों का समापन 25 मार्च को किया जाएगा।



25-03-2022: लुवास द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों के लिए पशु स्वास्थ्य में कौशल विकास पर निःशुल्क प्रशिक्षण ...

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के
pashuchikitsanewsvetnews.blogspot.com

<http://pashuchikitsanewsvetnews.blogspot.com/2022/03/25-03-2022.html>

8:42 pm

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर लगा



बनारसी पशु चिकित्सालय में ग्रामीणों को मुंह खुर रोग की जानकारी देते डा. अंशुल लाटर व अन्य।

भरतृकला, 15 सितम्बर (का.प्र.) : राजकीय पशु चिकित्सालय बनारसी में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डा. अंशुल लाटर व राजकीय पशु चिकित्सालय बनारसी के डेचार्ज डा. मदन लेगा ने पशुपालकों को मुंह खुर रोग को खत्म करने के लिए जागरूक किया। डा. अंशुल लाटर ने बताया कि मुंह खुर एक विषाणु जनक खतरनाक बीमारी है। जिसमें पशुओं के मुंह में छाले हो जाते हैं, तेज बुखार आता है, मुंह से लार गिरती है, पशु के दूध में गिरावट आती है। इससे पशुपालकों को बहुत अधिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि अगर एक बार वह बीमारी पशुओं में आई तो उसका देखावट काफी भी दूध में बहुती नहीं हो सकती। उन्होंने पशुपालकों को इस बीमारी के टीकाकरण हेतु जागरूक किया। इस मौके पर गौशाला के प्रधान मेवा सिंह, ओगप्रकाश, राणीवीर, जयवीर, सुनील, सुभाष, महावीर सहित अन्य लोग मौजूद थे।